Roll No. ....

Y – 3261 (A)

M.A. (Hindi) (Second Semester) (SPECIAL) EXAMINATION,

August 2021

(SECOND CHANCE)

Paper – 201

PRACHIN EVAM MADHYAKALIN KAVYA TATHA UNKA ITIHAS

Time : Three Hours

Maximum Marks : 85 (For Regular Students) *Minimum Pass Marks : 29*

Maximum Marks : 100 (For Private Students) *Minimum Pass Marks : 34*

नोट- **सभी** प्रश्न हल कीजिये।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये— 17/20

(अ) निर्गुण कौन देस कौ वासी?
मधुकर! हंसि समुझाय, सौंह दै बूझति साँच, न हाँसी।।
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारि, को दासी?
कैसो बरन भेस है कैसो, केहि रस में अभिलासी।।
पावैगो पुनि कियो आपुनो जो रे! कहैगो गांसी।
सुनत मौन भये, रह्यो ठग्यो सौ सूर सबै मति नासी।।

(ब) प्रीति करि दीन्हीं गरे छुरी।
जैसे बधिक चुकाय कपट कन पाछे करत बुरी।।
मुरली मधुर चोप करि काँपों, मोर चन्द्र ठटवारी।
बंक विलोकनि लूग लागि, बस सकी न तनहिं सम्हारी।।
तलफत छांड़ि चले मधुवन को, फिरि कै लई न सार।
सूरदास वा कलप-तरोवर, फेरि न बैठी डार।।

(स) मातु वचन सुनि अति अनुकूला।
जनु सनेह सुरतरू के फूला।।
सुख मरकंद भरे श्रियमूला।
निरखि राम मनु भवँरू न भूला।।
धरम धुरीन धरम गति जानी।
कहेउ मातु सन अति मृदु बानी।।
पिताँ दीन्ह मोहि कानन राजू।
जहँ सब भाँति मोर बड़ काजू।।
कहि न जाइ कछु हृदय बिषादू।
मनहूँ मृगी सुनि केहरि नादू।।
नयन सजल तन थर-थर काँपी।
माजहि खाइ मीन जनु मापी।।

P.T.O.

2. निम्नलिखित पद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये– 17/20

(अ) जहँ लगि नाथ नेह अरू नाते।
पिय बिनु तियहि तरनिहु ते ताते।।
तनु धनु धामु धरनि पुर राजू।
पति बिहीन सबु सोक समाजू।।
जिय बिनु देह नदी बिनु बारी।
तैसिअ नाथ पुरुष बिनु नारी।।
नाथ सकल सुख साथ तुम्हारें।
सरद बिमल बिधु बदनु निहारें।।
खग मृग परिजन नगरू बनु,
बलकल बिमल दुकूल।
नाथ साथ सुरसदन सम,
परनसाल सुख मूल।।

(ब) स्वारथु सुकृत न श्रमु वृथा,
देखि बिहंग बिचारि।
बाज पराये पानि परि,
तू पच्छीनु न मारि।।
गुनी-गुनी सबकै कहैं,
निगुनी गुनी न होतु।
सुन्यौ कहूँ तरू अरक तैं,
अरक समानु उदोतु।।

(स) अति अगाध अति ओथरो,
नदी कूप सर बाय।
सो ताकौ सागर जहाँ,
जाकी प्यास बुझाय।।
अधर धरत हरि के परित,
ओट डीठ़ि पर जोति।
हरित बाँस की बाँसुरी,
इन्द्र धनुष-रंग होति।।

3. सूर के वियोग शृंगार का वर्णन कीजिये। 17/20

4. "बिहारी रीतिकाल के प्रतिनिधि कवि हैं।" इस कथन की समीक्षा कीजिये। 17/20

5. रीति काल का सामान्य परिचय देते हुये उसके नामकरण की सार्थकता पर अपने विचार प्रकट कीजिये। 17/20